KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE AURAI BHADOHI - 221301

'केशव-कणिका'

(मासिक विवरणिका)

"विद्यार्थी जीवन सीखने और स्वयं को गढ़ने का समय है। महाविद्यालय की यह पत्रिका आप सभी को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक खुला आसमान प्रदान करती है। लिखना एक कला है जो हमारे व्यक्तित्व को निखारती है और समाज को नई दिशा देती है।"

पं० रंगनाथ मिश्र

संस्थापक

"संस्थापक के शब्द प्रसून"

विकसित एवं सुदृढ़ समाज के लिए शिक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण है। कालीन उद्योग से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित करने वाला यह जनपद भदोही शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ापन के रोग से ग्रस्त है। इस बीमारी को दूर करने के लिए मेरे मस्तिष्क में एक कार्ययोजना स्वतः आयी। बहुत दिनों से मेरे मन-मस्तिष्क में यह बात खटक रही थी कि मेरा जनपद भदोही शिक्षा के क्षेत्र में बहुत पीछे है, जनपद के छात्र/छात्राएं इण्टर उत्तीर्ण करने के बाद **बी०ए०, बी०एस-सी०, बी० काम०, बी०सी०ए०, बी०एड०, एम०ए०, एम० काम०** के अध्ययनार्थ ज्ञानपुर, मिर्जापुर, वाराणसी के चक्कर लगाते थे। मन में संकल्पवत विचार जागृत हुआ कि अवसर मिला तो सम्पूर्ण जनपद एवं विधान सभा क्षेत्र को महाविद्यालय से संतुष्ट करूँगा। इस कड़ी में वर्ष 2000 में तीन राजकीय महाविद्यालयों (औराई, भदोही, सेवापुरी) की स्थापना हुई। तत्पश्चात् वर्ष 2004 में केशव प्रसाद राल्ही महाविद्यालय की स्थापना की गयी। जिसमें, **बी०ए०, बी०एस-सी०, बी० काम०, बी०सी०ए०, बी०एड०, एम०ए०, एम० काम०** का पाठ्यक्रम संचालित हो रहा है। माध्यमिक शिक्षामंत्री रहने के दौरान जनपद को अनेक राजकीय हाईस्कूल की स्थापना से संतुष्ट किया गया ताकि जनपद भदोही की उच्च शिक्षा के प्रतिशत में बढ़ोतरी हो सके।

वर्तमान परिदृश्य में हमारा भदोही 'सुन्दर भदोही- साक्षर भदोही' से परिपूर्ण है। मुझे हर्ष की अनुभूति है कि केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्थापनाकाल से दो दशक पूर्ण होने के अवसर पर महाविद्यालय की मासिक विवरणिका 'केशव-कणिका' प्रकाशित कर रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार को बधाई देता हूँ। दो दशक पूर्व से कार्यरत प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी एवं डॉ० कुलदीप पाण्डेय को साधुवाद देता हूँ, विशेष रूप से महाविद्यालय के प्रबन्धक इ० बृजमोहन मिश्र को बधाई देता हूँ जिनकी सक्रियता एवं प्रयास के फलस्वरूप यह पत्रिका अस्तित्व में आयी। पुनश्च आशा करता हूँ कि महाविद्यालय का परिवेश उदीयमान प्रतिभाओं में अनुशासन व ईमानदारी से ज्ञानार्जन की प्रवृत्ति का विकास करेगा। श्रीमद्भगवद्गीता का वचन भी ज्ञान की ही श्रेष्ठता का उद्घोष करता है-

"नहि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।"

इ० बृजमोहन मिश्र (विकास)

प्रबन्धक

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय औराई (भदोही), अपनी मासिक विवरणिका 'केशव-कणिका' को प्रकाशित कर रहा है। महाविद्यालय का द्रुतगति से विकास उत्साहवर्द्धक है। यहाँ पर अध्ययनरत विद्यार्थी अध्यवसायपूर्वक ज्ञानार्जन में प्रवृत्त हों, यह हमारी अपेक्षा है। अपने सम्मानित गुरुजनों से प्रेरणा प्राप्त कर छात्र/छात्राएं जीवन-पथ पर अग्रसर हों, देशोन्नति की मुख्य धारा से जुड़ने का प्रयत्न करें तथा राष्ट्र के जागरूक नागरिक होते हुए राष्ट्ररक्षा के प्रति संकल्पित हों, यह हमारा प्रयास है।

इस पत्रिका प्रकाशन के अवसर पर महाविद्यालय के त्वरित विकास में प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले जनपद के जनवर्ग, सुधीजनों तथा अभिभावकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ। साथ ही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी एवं डॉ० कुलदीप पाण्डेय, विद्वान् प्राध्यापकों, अनुशासित कर्मचारियों तथा अन्वेषी विवरणिका 'केशव-कणिका' को प्रकाशित करने के लिए शुभकामना व बधाई देता हूँ।

महाविद्यालय उद्देश्य है कि —

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वेसन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।।

डॉ० आलोक त्रिपाठी 'अमिय'

प्राचार्य

महाविद्यालय उच्च शिक्षा प्रदान करने वाला ऐसा विद्या केन्द्र है, जहाँ राष्ट्र का निर्माण करने में सक्षम होने हेतु युवा-पीढ़ी, शिक्षित एवं दीक्षित होती है। शिक्षक एवं शिक्षार्थी तथा समाज के सकारात्मक सहयोग से शिक्षा का सुन्दर स्वरूप विकसित होता है। जीवन को सही दिशा प्रदान करने वाली संस्कार युक्त शिक्षा से न केवल व्यक्ति का अपितु परिवार, समाज, देश एवं पीढ़ियों का चरित्र समुन्नत होता है। हमारा लक्ष्य है कि हम सब इस महाविद्यालय में ऐसी शिक्षा का बीज वपन करें जिससे अंकुरित वृक्ष समाज में विभिन्न संतापों को दूर करते हुए जन-जीवन में छाया की शीतलता प्रदान कर सकें।

"परिन्दों को नहीं दी जाती है, तालीम उड़ानों की, वो खुद तय करते हैं, दूरी आसमानों की।

रखता है जो हौसला आसमान छूने का, परवाह नहीं होती है उसको मिट जाने की।।"

माँ सरस्वती को नमन करते हुए इस महाविद्यालय की मासिक विवरणिका 'केशव-कणिका' का प्रकाशित होने पर छात्र/छात्राओं को संदेश दे रही है-

"गति को ही जीवन कहते हैं, चलते चलो सतत् उस ओर।

बढ़ते चलो निरन्तर तब तक, पैर न छू ले इच्छित छोर।।"

डॉ० कुलदीप कुमार पाण्डेय

उपप्राचार्य

"महाविद्यालय की मासिक विवरणिका का प्रारम्भ होना बड़ा ही हर्ष का विषय है इसके लिए महाविद्यालय के संस्थापक पं० रंगनाथ मिश्र (पूर्व शिक्षा मंत्री, उ० प्र० सरकार), महाविद्यालय के प्रबन्धक इ० बृजमोहन मिश्र तथा प्राचार्य डॉ० आलोक त्रिपाठी को शुभकामना अर्पित करता हूँ। यह महाविद्यालय की प्रगति में मील का पत्थर साबित होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। विवरणिका महाविद्यालय की प्रगति का दर्पण होती है। यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा का अद्वितीय केंद्र है जो स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों में अग्रणी है। आशा करता हूँ कि यह प्राध्यापकों, छात्र/छात्राओं हेतु मार्गदर्शन का सेतु बनेगा।"

डॉ० कुलदीप कुमार पाण्डेय (उपप्राचार्य)

KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE AURAI BHADOHI - 221301

Educational Tour Report – [B. Ed. Department]

गंतव्य: वाराणसी (स्वर्वेद महामंदिर एवं ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर)

उद्देश्य: सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक स्थापत्य और क्षेत्रीय हस्तशिल्प का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना।

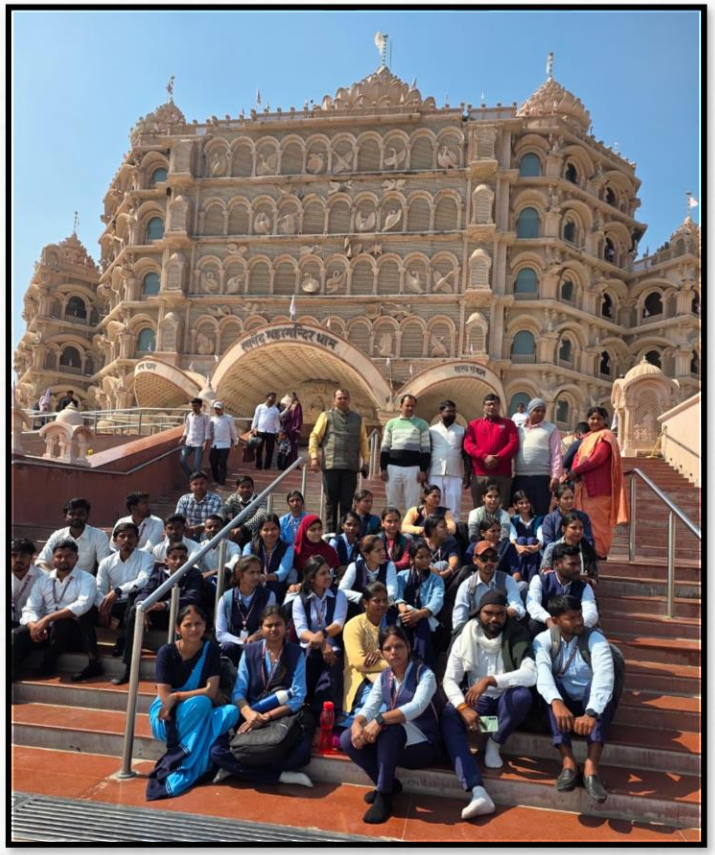

भ्रमण का संक्षिप्त वृत्तांत - विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और किताबी ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ने के उद्देश्य से बी.एड. एवं भूगोल विभाग द्वारा एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। इस यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने वाराणसी के दो प्रमुख केंद्रों का भ्रमण किया।

स्थापत्य कला - मंदिर की सात मंजिला संरचना और आधुनिक इंजीनियरिंग के साथ प्राचीन नक्काशी के संगम को समझा।

आध्यात्मिक दर्शन - विहंगम योग और स्वरवेद के सिद्धांतों के बारे में जानकारी प्राप्त की, जो बी.एड. प्रशिक्षुओं के लिए मूल्यवान अनुभव रहा।

भ्रमण का पहला चरण विश्व के सबसे बड़े ध्यान केंद्र 'स्वर्वेद महामंदिर' में संपन्न हुआ।

KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE AURAI BHADOHI - 221301

Educational Tour Report – [Geography Department]

भूगोल एवं पर्यावरण- मंदिर परिसर के शांत वातावरण और पारिस्थितिकी संतुलन का अवलोकन किया।

कौशल विकास - बी.एड. के छात्रों ने सीखा कि कैसे दृश्य-श्रव्य संसाधनों और संग्रहालयों का उपयोग शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में किया जा सकता है।

ज्ञानार्जन:- संग्रहालय में प्रदर्शित प्राचीन कलाकृतियों और हस्तशिल्प के माध्यम से छात्रों ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध व्यापारिक विरासत को करीब से देखा।

निष्कर्ष- यह संयुक्त भ्रमण अत्यंत सफल रहा। जहाँ भूगोल के छात्रों ने क्षेत्रीय विकास और मानचित्रण के व्यावहारिक पहलुओं को समझा, वहीं बी.एड. के प्रशिक्षुओं ने समूह प्रबंधन और अनुभवात्मक अधिगम (Experiential Learning) के गुर सीखे। अंततः, सभी विद्यार्थियों ने ज्ञान के नए क्षितिज प्राप्त किए।

KESHAV PRASAD RALHI P. G. COLLEGE AURAI BHADOHI - 221301

केशव प्रसाद राल्ही पीजी कॉलेज में बी.एड. स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड, भदोही जनपद के तत्वाधान में आज औराई स्थित केशव प्रसाद राल्ही पीजी कॉलेज में पांच दिवसीय अनिवार्य बी.एड. प्रशिक्षण शिविर का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ किया गया।

अनुशासन और राष्ट्रप्रेम का पाठ - प्रशिक्षुओं को आशीर्वाद देते हुए प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने कहा, "स्काउट-गाइडिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि छात्र-छात्राओं को नि:स्वार्थ सेवा, विश्वबंधुत्व और अनुशासन के मार्ग पर ले जाने वाला एक सशक्त अभियान है। यह हमारे भीतर देशप्रेम की भावना को ओतप्रोत कर एक आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।"

जीवन जीने की कला है स्काउटिंग - कार्यक्रम संयोजक के रूप में बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप पाण्डेय के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "बिना संसाधन के साधन बनाना ही स्काउटिंग की विशेषता है। यह जीवन जीने की कला के साथ-साथ वन-विद्या का वह ज्ञान प्रदान करता है, जिससे आपातकाल में हमारे छात्राध्यापक देश सेवा और समर्पण की भावना के साथ अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर सकें।"

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन - शिविर के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक के रूप में भदोही जनपद के आईटी कोऑर्डिनेटर नागेश प्रजापति एवं ज्योतिरानी मौर्या उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षुओं को स्काउटिंग के इतिहास, ध्वज शिष्टाचार और अनुशासन की बारीकियों से अवगत कराया।

उपस्थिति एवं धन्यवाद ज्ञापन - इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. नीतू शुक्ला, ज्योति पाण्डेय, प्रवीण सिंह, रूपेश यादव, मनसाराम, मनोज चौबे , शिव कुमार मिश्रा , रामआसरे, प्रिया मिश्रा और अनुराधा यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी इं० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी ने किया। अंत में संकायाध्यक्ष डॉ. मेघा बरनवाल ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य - इं॰ बृजमोहन

औराई स्थित क्षेत्र के गौरव केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में आज स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ दिवस "अनुशासन की ज्योति, साहस का उल्लास" के संकल्प के साथ ग्रैंड कैंपफायर' का आयोजन किया गया, जो छात्र-छात्राओं की असीमित ऊर्जा और अनुशासन का साक्षी बना।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय प्रबंधक, इंजी॰ बृजमोहन मिश्रा जी द्वारा ध्वज शिष्टाचार के माध्यम से किया गया। इस दौरान उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा जीवन जीने की कला सिखाती है स्काउटिंग साथ ही बिना संसाधन का साधन बनाना तथा विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने की।

साहसिक कौशल और आत्मनिर्भरता का बेजोड़ संगम के दौरान स्काउट गाइड रोवर रेंजर के छात्र-छात्राओं ने अपनी कठिन साधना का परिचय देते हुए बिना किसी आधुनिक उपकरण के केवल लकड़ियों और रस्सियों की मदद से 'टेंट','टावर' और 'पुल' जैसे जटिल गैजेट्स का निर्माण कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। आत्मनिर्भरता का परिचय देते हुए स्काउट-गाइड्स ने 'बिना बर्तन के भोजन' (Backwoods Cooking) बनाकर अपनी उत्तरजीविता (Survival) कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। संकल्प की पावन अग्नि (कैंपफायर) के समक्ष विद्यार्थियों ने देशभक्ति और लोक संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जिला प्रशिक्षण आयुक्त चंद्रेश राय , नागेश प्रजापति तथा ज्योतिरानी मौर्य रही तथा महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ॰ नीतू शुक्ला, प्रवीण कुमार सिंह, विकास राय,ज्योति पाण्डेय अनुराधा यादव, प्रिया मिश्रा , राम आसरे , रूपेश यादव, मनोज चौबे , शिव कुमार मिश्र,अवधेश पाण्डेय, सूरज कुमार ,अजय पटेल अरविन्द मौर्या , सुरेश यादव, मधुमिता सौम्या, सुमन प्रियांगी,राहुल यादव, राजकुमार यादव समेत समस्त विद्वान प्राध्यापक गण, अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मेघा बनरवाल द्वारा सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों और सहभागी छात्र-छात्राओं का अत्यंत आत्मीय धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार और विशेष रूप से प्रशिक्षुओं की लगन के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंत में, पूरा महाविद्यालय परिसर स्काउट-गाइड के गगनभेदी नारों और 'भारत माता की जय' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

केशव प्रसाद राल्ही स्नातकोत्तर महाविद्यालय
औराई -भदोही
राष्ट्रीय मतदाता दिवस
25 जनवरी
Mohit's Galaxy Z Fold7

Mohit's Galaxy Z Fold7

MEDIA COVERAGE

केशव प्रसाद राल्ही पीजी कॉलेज में बी.एड. स्काउट-गाइड प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ

लोक अधिकार

वाराणसी/भदोही। उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड, भदोही जनपद के तत्वाधान में मंगलवार को औराई स्थित केशव प्रसाद राल्ही पीजी कॉलेज में पांच दिवसीय अनिवार्य बी.एड. प्रशिक्षण शिविर का विधिवत एवं भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी रहे, जिन्होंने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन के साथ शिविर की शुरूआत की।

अनुशासन और राष्ट्रप्रेम का पाठ

प्रशिक्षुओं को आशीर्वाद देते हुए प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने कहा, "स्काउट-गाइडिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि छात्र-छात्राओं को निःस्वार्थ सेवा, विश्वबंधुत्व और अनुशासन के मार्ग पर ले जाने वाला एक सशक्त अभियान है। यह हमारे भीतर देशप्रेम की भावना को ओतप्रोत कर एक आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा देता है।"

जीवन जीने की कला है स्काउटिंग

कार्यक्रम संयोजक के रूप में बी.एड. विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. कुलदीप पाण्डेय के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "बिना संसाधन के साधन बनाना ही स्काउटिंग की विशेषता है। यह जीवन जीने की कला के साथ-साथ वन-विद्या का वह ज्ञान प्रदान करता है, जिससे आपातकाल में हमारे छात्राध्यापक देश सेवा और समर्पण की भावना के साथ अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर सकें।"

विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

शिविर के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक के रूप में भदोही जनपद के आईटी कोऑर्डिनेटर नागेश प्रजापति एवं ज्योतिरानी मौर्या उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षुओं को स्काउटिंग के इतिहास, ध्वज शिष्टाचार और अनुशासन की बारीकियों से अवगत कराया।

?उपस्थिति एवं धन्यवाद ज्ञापनः

इस गरिमामयी अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. नीतू शुक्ला, ज्योति पाण्डेय, प्रवीण सिंह, रूपेश यादव, मनसाराम, रामआसरे, प्रिया मिश्रा और अनुराधा यादव उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी इं० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी ने किया। अंत में संकायाध्यक्ष डॉ. मेघा बरनवाल ने सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया।

केशव प्रसाद राल्ही पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ.आलोक त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया उद्घाटन

औराई,भदोही। केशव प्रसाद राल्ही पीजी कॉलेज में पांच दिवसीय अनिवार्य बीएड स्काउट–गाइड प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि के रूप में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन कर शिविर का विधिवत उद्घाटन किया।इस दौरान प्राचार्य डॉ.आलोक त्रिपाठी ने कहा कि स्काउट–गाइडिंग केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि छात्र–छात्राओं को निरूस्वार्थ सेवा, विश्वबंधुत्व और अनुशासन के मार्ग पर ले जाने वाला एक सशक्त अभियान है। उन्होंने इसे देशप्रेम की भावना जगाने और आदर्श नागरिक बनने की प्रेरणा देने वाला बताया। कार्यक्रम के संयोजन बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.कुलदीप पांडेय ने कहा कि बिना संसाधन के साधन बनाना ही स्काउटिंग की विशेषता है। यह जीवन जीने की कला के साथ–साथ वन–विद्या का ज्ञान प्रदान करता है, जिससे छात्राध्यापक आपातकाल में देश सेवा और समर्पण की भावना के साथ अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर सकें। शिविर के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक के रूप में भदोही जनपद के आईटी कोऑर्डिनेटर नागेश प्रजापति और ज्योतिरानी मौर्या उपस्थित रहे। उन्होंने प्रशिक्षुओं को स्काउटिंग के इतिहास, ध्वज शिष्टाचार और अनुशासन की बारीकियों से अवगत कराया। इस मौके पर डॉ.नीतू शुक्ला, ज्योति पांडेय, प्रवीण सिंह, रूपेश यादव, मनसाराम, रामआसरे, प्रिया मिश्रा और अनुराधा यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज के प्रशासनिक अधिकारी इं.प्रदीप कुमार चतुर्वेदी ने किया। अंत में संकायाध्यक्ष डॉ.मेघा बरनवाल ने सभी अतिथियों और प्रशिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

वाराणसी/चंदौली

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक लोक अधिकार सबकी आवाज, सबका अधिकार

28 फरवरी 2026 www.lokadhikarnews.com

विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य : इं० बृजमोहन

लोक अधिकार

औराई, भदोही। औराई स्थित क्षेत्र के गौरव केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में आज स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ दिवस "अनुशासन की ज्योति, साहस का उल्लास" के संकल्प के साथ ग्रैंड कैंपफायर' का आयोजन किया गया, जो छात्र-छात्राओं की असीमित ऊर्जा और अनुशासन का साक्षी बना।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय प्रबंधक, इंजी० बृजमोहन मिश्रा जी द्वारा ध्वज शिष्टाचार के माध्यम से किया गया। इस दौरान उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा जीवन जीने की कला सिखाती है स्काउटिंग साथ ही बिना संसाधन का साधन बनाना तथा विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा— "यह शिविर केवल पांच दिनों का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प की आधारशिला है। यहाँ से सीखा गया अनुशासन आपके पूरे जीवन को आलोकित करेगा।"

कार्यक्रम के संयोजक व उप-प्राचार्य डॉ. कुलदीप त्रिपाठी ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा— "संकल्प की इस अग्नि में तपकर ही व्यक्तित्व में निखार आता है। टेंट टावर और पुल निर्माण में आपने जो टीम भावना दिखाई, वही जीवन की असली सफलता की कुंजी है।"

इस पूरे भव्य आयोजन का अत्यंत ओजस्वी और सफल संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त इंजी० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने अनुभवों से स्वयंसेवकों में नया जोश भर दिया।

?साहसिक कौशल और आत्मनिर्भरता का बेजोड़ संगम के दौरान स्काउट गाइड रोवर रेंजर के छात्र-छात्राओं ने अपनी कठिन साधना का परिचय देते हुए बिना किसी आधुनिक उपकरण के केवल लकड़ियों और रस्सियों की मदद से 'टेंट','टावर' और 'पुल' जैसे जटिल गैजेट्स का निर्माण कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। आत्मनिर्भरता का परिचय देते हुए स्काउट-गाइड्स ने 'बिना बर्तन के भोजन' (Backwoods Cooking) बनाकर अपनी उत्तरजीविता (Survival) कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। संकल्प की पावन अग्नि (कैंपफायर) के समक्ष विद्यार्थियों ने देशभक्ति और लोक संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जिला प्रशिक्षण आयुक्त चंद्रेश राय , नागेश प्रजापति तथा ज्योतिरानी मौर्य रही तथा महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ. नीतू शुक्ला, प्रवीण कुमार सिंह, विकास राय,ज्योति पाण्डेय अनुराधा यादव, प्रिया मिश्रा , राम आसरे , रूपेश यादव, मनोज चौबे , शिव कुमार मिश्र,अवधेश पाण्डेय, सूरज कुमार ,अजय पटेल अरविन्द मौर्या , सुरेश यादव, मधुमिता सौम्या, सुमन प्रियांगी,राहुल यादव, राजकुमार यादव समेत समस्त विद्वान प्राध्यापक गण, अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मेघा बनरवाल द्वारा सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों और सहभागी छात्र-छात्राओं का अत्यंत आत्मीय धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार और विशेष रूप से प्रशिक्षुओं की लगन के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य - इं० बृजमोहन

लोक अधिकार

वाराणसी/भदोही। औराई स्थित क्षेत्र के गौरव केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में आज स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह "अनुशासन की ज्योति, साहस का उल्लास" के संकल्प के साथ ग्रैंड कैंपफायर' का आयोजन किया गया, जो छात्र-छात्राओं की असीमित ऊर्जा और अनुशासन का साक्षी बना।?कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय प्रबंधक, इंजी० बृजमोहन मिश्रा जी द्वारा ध्वज शिष्टाचार के माध्यम से किया गया। इस दौरान उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है साथ ही बिना संसाधन का साधन बनाना तथा विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने की।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा— "यह शिविर केवल पांच दिनों का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प की आधारशिला है। यहाँ से सीखा गया अनुशासन आपके पूरे जीवन को आलोकित करेगा।"?कार्यक्रम के संयोजक व उप-प्राचार्य डॉ. कुलदीप पाण्डेय ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा— "संकल्प की इस अग्नि में तपकर ही व्यक्तित्व में निखार आता है। टेंट टावर और पुल निर्माण में आपने जो टीम भावना दिखाई, वही जीवन की असली सफलता की कुंजी है।"इस

पूरे भव्य आयोजन का अत्यंत ओजस्वी और सफल संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त इंजी० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने अनुभवों से स्वयंसेवकों में नया जोश भर दिया।?साहसिक कौशल और आत्मनिर्भरता का बेजोड़ संगम के दौरान स्काउट गाइड रोवर रेंजर के छात्र-छात्राओं ने अपनी कठिन साधना का परिचय देते हुए बिना किसी आधुनिक उपकरण के केवल लकड़ियों और रस्सियों की मदद से 'टेंट','टावर' और 'पुल' जैसे जटिल गैजेट्स का निर्माण कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। आत्मनिर्भरता का परिचय देते हुए स्काउट-गाइड्स ने 'बिना बर्तन के भोजन' (Backwoods Cookinfg) बनाकर अपनी उत्तरजीविता (Survival) कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। संकल्प की पावन अग्नि (कैंपफायर) के समक्ष विद्यार्थियों ने देशभक्ति और लोक संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जिला प्रशिक्षण आयुक्त चंद्रेश राय , नागेश प्रजापति तथा ज्योतिरानी मौर्य रही तथा महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ० नीतू शुक्ला, प्रवीण कुमार सिंह, विकास राय,ज्योति पाण्डेय अनुराधा यादव, प्रिया मिश्रा , राम आसरे , रूपेश यादव, मनोज चौबे , शिव कुमार मिश्र,अवधेश पाण्डेय, सूरज कुमार ,अजय पटेल अरविन्द मौर्या , सुरेश यादव, मधुमिता सौम्या, सुमन प्रियांगी,राहुल यादव, राजकुमार यादव समेत समस्त विद्वान प्राध्यापक गण, अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मेघा बनरवाल द्वारा सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों और सहभागी छात्र-छात्राओं का अत्यंत आत्मीय धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार और विशेष रूप से प्रशिक्षुओं की लगन के प्रति आभार व्यक्त किया।

विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य – इं० बृजमोहन

केपीपीएन संवाददाता

वाराणसी/भदोही। औराई स्थित क्षेत्र के गौरव केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में आज स्काउट–गाइड एवं रोवर–रेंजर प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह अनुशासन की ज्योति, साहस का उल्लासष के संकल्प के साथ ग्रैंड कैंपफायरश का आयोजन किया गया, जो छात्र–छात्राओं की असीमित ऊर्जा और अनुशासन का साक्षी बना।घ्कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय प्रबंधक, इंजी० बृजमोहन मिश्रा जी द्वारा ध्वज शिष्टाचार के माध्यम से किया गया। इस दौरान उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है साथ ही बिना संसाधन का साधन बनाना तथा विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने की।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा यह शिविर केवल पांच दिनों का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प की आधारशिला है। यहाँ से सीखा गया अनुशासन आपके पूरे जीवन को आलोकित करेगा। कार्यक्रम के संयोजक व उप–प्राचार्य डॉ. कुलदीप पाण्डेय ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा संकल्प की इस अग्नि में तपकर ही व्यक्तित्व में निखार आता है। टेंट टावर और पुल निर्माण में आपने जो टीम भावना दिखाई, वही जीवन की असली सफलता की कुंजी है।ष्इस पूरे भव्य आयोजन का अत्यंत ओजस्वी और सफल संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त इंजी० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने अनुभवों से स्वयंसेवकों में नया जोश भर दिया।घ्साहसिक कौशल और आत्मनिर्भरता का बेजोड़ संगम के दौरान स्काउट गाइड रोवर रेंजर के छात्र–छात्राओं ने अपनी कठिन साधना का परिचय देते हुए बिना किसी आधुनिक उपकरण के केवल लकड़ियों और रस्सियों की मदद से टेंटश्टावर और श्पुलश जैसे जटिल गैजेट्स का निर्माण कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। आत्मनिर्भरता का परिचय देते हुए स्काउट–गाइड्स ने श्बिना बर्तन के भोजन बनाकर अपनी उत्तरजीविता कला का अद्भुत प्रदर्शन किया। संकल्प की पावन अग्नि (कैंपफायर) के समक्ष विद्यार्थियों ने देशभक्ति और लोक संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।इस अवसर पर मुख्य प्रशिक्षक के रूप में जिला प्रशिक्षण आयुक्त चंद्रेश राय , नागेश प्रजापति तथा ज्योतिरानी मौर्य रही तथा महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ० नीतू शुक्ला, प्रवीण कुमार सिंह, विकास राय,ज्योति पाण्डेय अनुराधा यादव, प्रिया मिश्रा , राम आसरे , रूपेश यादव, मनोज चौबे , शिव कुमार मिश्र,अवधेश पाण्डेय, सूरज कुमार ,अजय पटेल अरविन्द मौर्या , सुरेश यादव, मधुमिता सौम्या, सुमन प्रियांगी,राहुल यादव, राजकुमार यादव समेत समस्त विद्वान प्राध्यापक गण, अधिकारीगण एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. मेघा बनरवाल द्वारा सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों और सहभागी छात्र–छात्राओं का अत्यंत आत्मीय धन्यवाद ज्ञापन किया गया। उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए महाविद्यालय परिवार और विशेष रूप से प्रशिक्षुओं की लगन के प्रति आभार व्यक्त किया।घ्अंत में, पूरा महाविद्यालय परिसर स्काउट–गाइड के गगनभेदी नारों और श्भारत माता की जयश के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
वर्तमान क्रांति
वाराणसी, रविवार 01 मार्च 2026

E-mail : crimedustak231@gmail. com

स्काउट-गाइड शिविर में अनुशासन और सेवा का संदेश

ग्रैंड कैंपफायर संग प्रशिक्षण शिविर का भव्य समापन

वर्तमान क्रांति

वाराणसी मीडिया प्रभारी/विवेक राय : औराई, भदोही, 28 फरवरी 2026। क्षेत्र के गौरव केशव प्रसाद राल्हि पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में आयोजित स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर प्रशिक्षण शिविर का समापन अनुशासन की ज्योति, साहस का उल्लास के संकल्प के साथ ग्रैंड कैंपफायर कार्यक्रम द्वारा हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि इंजी० बृजमोहन मिश्रा ने ध्वज शिष्टाचार के साथ किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है। बिना संसाधनों के साधन तैयार करना, विश्वबंधुत्व की भावना विकसित करना और आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना ही स्काउट-गाइड का मुख्य लक्ष्य है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि यह शिविर केवल पांच दिनों का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प की आधारशिला है।

शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने लकड़ी और रस्सियों की सहायता से टेंट, टावर और पुल का निर्माण कर आत्मनिर्भरता का परिचय दिया।

बिना बर्तन के भोजन बनाकर सर्वाइवल स्किल का प्रदर्शन किया गया।

कैंपफायर के समक्ष देशभक्ति एवं लोक संस्कृति पर आधारित रंगारंग प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त इंजी० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी ने किया। अंत में डॉ. मेघा बनरवाल ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों और छात्र-छात्राओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। समापन पर पूरा परिसर स्काउट-गाइड के नारों और भारत माता की जय के उद्घोष से गूंज उठा।

विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य - इं० बृजमोहन

वेलकम इन्डिया

वाराणसी। औराई स्थित क्षेत्र के गौरव केशव प्रसाद राल्ही पी.जी. कॉलेज के प्रांगण में आज स्काउट-गाइड एवं रोवर-रेंजर प्रशिक्षण शिविर के समापन समारोह 'अनुशासन की ज्योति, साहस का उल्लास' के संकल्प के साथ ग्रैंड कैंपफायर' का आयोजन किया गया, जो छात्र-छात्राओं की असीमित ऊर्जा और अनुशासन का साक्षी बना।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय प्रबंधक, इंजी० बृजमोहन मिश्रा जी द्वारा ध्वज शिष्टाचार के माध्यम से किया गया। इस दौरान उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा स्काउटिंग जीवन जीने की कला सिखाती है साथ ही बिना संसाधन का साधन बनाना तथा विश्वबन्धुत्व के साथ साथ आदर्श नागरिक बनकर देश की सेवा करना स्काउट गाइड का मुख्य लक्ष्य होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने की।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आलोक त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा– 'यह शिविर केवल पांच दिनों का प्रशिक्षण नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा के संकल्प की आधारशिला है। यहाँ से सीखा गया अनुशासन आपके पूरे जीवन को आलोकित करेगा।' कार्यक्रम के संयोजक व उप-प्राचार्य डॉ. कुलदीप पाण्डेय ने स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा–'संकल्प की इस अग्नि में तपकर ही व्यक्तित्व में निखार आता है। टेंट टावर और पुल निर्माण में आपने जो टीम भावना दिखाई, वही जीवन की असली सफलता की कुंजी है।'इस पूरे भव्य आयोजन का अत्यंत ओजस्वी और सफल संचालन राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त इंजी० प्रदीप कुमार चतुर्वेदी द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने अनुभवों से स्वयंसेवकों में नया जोश भर दिया।

A CATALYST OF CHANGE: CELEBRATING THE LEGACY OF

MADHUMITA TIWARI

FAREWELL

FAREWELL

MRS. MADHUMITA TIWARI

[SCIENCE DEPARTMENT]

KESHAV PRASAD RALHI P.G. COLLEGE
AURAI, BHADOHI
ESTD- 2004

Mrs. JYOTI PANDEY
HOD (Comp. Sc.)
(SUB-EDITOR)

ER. PRADEEP KUMAR CHATURVEDI
(PRESIDENT AWARDED)
ADMINISTRATIVE OFFICER
(PUBLISHER)

Dr. MEGHA BARANWAL
DEAN
(EDITOR)

TO BE CONTINUED…